वार्तालाप-517 , कलकत्ता-2, दिनांक 15.02.08
Disc.CD-517, dated 15.2.08 at Calcutta-2

समयः 00.01-037.50

जिज्ञासुः कीचक.....?

बाबाः कीचकों की परिभाषा मुरली में बताई है। कीचक माना गंदे डर्टी ब्रूट्स जो ब्रह्माकुमारियों के पीछे पड़ते हैं। कोई न कोई बहाना बनायेंगे और उनके पीछे पड़ जायेंगे। ऐसे गंदे डर्टी ब्रूट्स को भीम ने अकेले ही मार गिराया और कहते हैं कौरव कितने थे? सौ कौरव और सौ कौरवों का वध अकेले भीम ने किया। चाहे वो दुर्योधन की लिस्ट में हो, दुष्ट युद्ध करने वाले। क्या? एक होता है युद्ध प्यार से, आओ भाई आखाड़े में, दो हाथ कर ले, हाँ भाई आ जाओ। खुशी-2 युद्ध करते हैं। भल माया का युद्ध हो लेकिन सहमति से है ना, खुशी हो रही है ना कि हम इस युद्ध में हम विजयी होंगे। वो कहते नहीं हम विजयी होंगे। लेकिन कोई ऐसे होते हैं जो दुष्ट युद्ध करते हैं। क्या? दुष्ट युद्ध माना? जो नहीं करना चाहिए वो करते हैं। जैसे दुर्योधन को दिखाया है, गदा युद्ध के नियमों का परित्याग कर दिया और ईर्ष्या, द्वेष में आकर के युद्ध किया। तो उनको कहा जाता है दुर्योधन। दुष्ट युद्ध करने वाले। सहमति हो या न हो उनको तो युद्ध करना है। चाहे हिंसा हो, चाहे हिंसा न हो, लेकिन युद्ध जरूर करेंगे।

Time: 00.01-37.50
Student: *Keechak* (a villainous character in the epic Mahabharat)...?
Baba: *Keechaks* have been defined in the Murlis. *Keechak* means dirty brutes that fall behind the Brahmakumaris. They make some excuse or the other and fall behind them. *Bhim* alone killed such dirty brutes, and it is said: how many *Kauravas* were there? *Kauravas* were hundred and all the hundred *Kauravas* were killed by Bhim alone, whether they were in the list of *Duryodhans* who wage a wicked war. What? One kind of war is a friendly war, come to the arena, let us fight. Yes brother, come. They fight happily. Although it is a war with maya, it is with consent, isn't it? They are happy [thinking] I will be victorious in this fight. The other person says: No, I will be victorious. But there are some who wage a wicked war. What? What is meant by a wicked war? They do something which should not to be done. For example, it has been shown for *Duryodhan* that he renounced the rules of fighting with a club (*gadaa*) and he fought because of jealousy and malice; so he is called *Duryodhan*: the one who wage a wicked war. They have to wage a war whether there is consent or not. They will certainly wage a war whether it is a violent one or not.

ऐसे दुर्योधन भी हैं और ऐसे दुःशासन भी हैं। दुष्ट शासन करने वाले। पति का पत्नि के ऊपर कुछ ना कुछ शासन होना ही चाहिए क्योंकि कलियुगी दुनियाँ है, लेकिन दुष्ट शासन होना चाहिए क्या? नहीं। और ब्राहमण बनने के बाद तो बिल्कुल ही नहीं होना चाहिए। क्यों? क्योंकि ब्राहमण बनने के बाद आपस में कौनसा संबंध बन गया? भाई-बहन का भी नहीं। आत्मा-आत्मा आपस में भाई-भाई हो गये। जैसे भाई का भाई के ऊपर कोई जोर जबरदस्ती नहीं चल सकती। नहीं

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

चलनी चाहिए। ऐसे ही जो ब्राहमण बन चुके हैं उनके जीवन में पति-पत्नि का संबंध भाई-भाई का होना चाहिए। लेकिन जोर जबरदस्ती दिखाते हैं तो उनको क्या कहेंगे? दुःशासन कहेंगे।

There are such *Duryodhans* as well as *Dushasans*; those who rule in a wicked manner. A husband should certainly rule over his wife to some extent or the other because this is an Iron Age world. But should it be a wicked rule? No. And after becoming a Brahmin there should not be a wicked rule at all. Why? It is because after becoming Brahmins, what is the relationship between them? Not even of brother and sister. Souls are brothers amongst each other. Just as a brother cannot or should not force himself upon a brother, similarly, those who have become Brahmins, the relationship between the husband and wife should be of brothers. But if they force themselves (upon each other), then what will they be called? They will be called *Dushasans*.

ऐसे दुःशासनों और ऐसे दुष्ट युद्ध करने वाले दुर्योधनों को अकेले भीम ने धराशाही किया, उनका खून खराबा किया। संकल्पों का खून बहाया और द्रौपदी के केश सिंचन किया। अभी ये सब प्रैक्टिकल होना है। पाँच पाण्डव का मतलब ये नहीं कि पाँच पाण्डव ही थे। एक अर्जुन का मतलब ये नहीं है कि एक अर्जुन को ही गीता ज्ञान सुनाया गया। ये सब क्या बैठे हैं? सब नम्बरवार अर्जुन भी हैं, नम्बरवार भीम भी हैं। हाँ, कोई में भीम वृत्ति के संस्कार ज्यादा हैं। गलत बात सुनकर के फट से क्रोध आता है। अभी धूम-धड़ाका कर दूँ। गलत बात को एक सेकेण्ड भी सहन नहीं कर सकते। जबकि कोई युधिष्टिर भी हैं। क्या? इतने जल्दी क्रोध में, क्रोध में नहीं आते हैं। विचार करते हैं - श्रीमत क्या कहती है। युद्ध से भागते नहीं हैं लेकिन युद्ध में स्थिर रहते हैं।

Bhim alone felled to ground and killed all such *Dushasans* and *Duryodhans* who wage a wicked war. He caused the blood of thoughts to flow and washed the hairs of *Draupadi* with it. Now all this is going to happen in practical. Five Pandavas does not mean that there were only five Pandavas. One Arjun does not mean that the knowledge of the Gita was narrated only to one Arjun. Who are all these people sitting [here]? All are *number wise* Arjuns as well as *number wise* Bhims. Yes, some have more *sanskars* of Bhim. They become angry if they hear something wrong. (They think) I will create uproar this very moment. They cannot tolerate wrong things even for a second whereas some are *Yudhishthirs* as well. What? They do not get angry so quickly. They think: what does *Shrimat* say? They do not run away from war, but they remain steadfast in war.

तो एक की बात नहीं है। न एक कोई अर्जुन था, न कोई एक युधिष्टिर था, न कोई एक नकुल और सहदेव था। ये नम्बरवार यहाँ बैठे हुए हैं। हाँ, कोई में भीम वृत्ति ज्यादा है, कोई में युधिष्टिर की वृत्ति ज्यादा है, कोई में अर्जुन की वृत्ति ज्यादा है। अगर अर्जुन की वृत्ति न रही हो तो आज की मुरली में ही क्यों बोला बाबा ने कि समझने वाला होशियार होता है और समझाने वाला बुद्धु होता है तो बाप क्या करते हैं? उसके शरीर के रथ को अपने हाथ में ले लेते है। दृष्टि से पॉवर देते है, वाचा से पॉवर देते है, वायब्रेशन की पॉवर देते है और वो आत्मा ज्ञान में चल पड़ती है तो अर्जुन हुए ना। उनके रथ में बाप ने प्रवेश किया ना। भल पता नहीं चलता हैं अगर पता चल जाये तो मुकर्रर रथ साबित हो जाए। प्रूफ नहीं मिलता हैं लेकिन प्रवेश तो करते हैं, तो कोई अर्जुन भी है। कोई नकुल है, कोई सहदेव है। पाँच की बात नहीं हैं, नम्बरवार

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

पाँच पाण्डव हैं। और ये भी बात है पाँचों एक जैसे नहीं हैं। पाँचों की अगर संगठित वृत्ति बन जाए तो पॉवरफुल हो जाते है कि नहीं?

So, it is not the question of one. Neither was there one Arjun nor was there just one Yudhishthir. Neither was there just one Nakul nor Sahdev. All of them are sitting here number wise. Yes, some are more of Bhim's nature, some are more of Yudhishthir's nature, some are more of Arjun's nature. If there is no nature of Arjun, then why did Baba say in today's Murli that [if] the person who understands is clever; and the person who is explaining is less intelligent, then what does the Father do? He takes over his chariot-like body in His hands. He gives power through vision, through words, through vibrations and that soul enters the path of knowledge; so, they are Arjuns, aren't they? The Father entered their chariot, didn't He? Although we do not come to know; if we come to know (about His entry) then he will be proved to be the permanent chariot. There is no proof, but He does enter. So, there are some Arjuns as well. Some are Nakuls, some are Sahdevs. It is not about just five (Pandavas); there are *number wise* five Pandavas. And there is another thing that all the five are not alike. If the vibrations of all the five unite, then they become powerful or not?

जिज्ञासु – हाँ। बाबा नकुल का अर्थ क्या है?

बाबा – नकुल का मतलब है न इस कुल के और न उस कुल के। क्या? नेवले की तरह उनका स्वभाव-संस्कार होता हैं। संस्कृत में नकुल नेवले को कहा जाता हैं। सर्पों को काट के खा जाता हैं। जो विषैले विषधर सर्प हैं। विषय विकारी हैं वो नकुल की वृत्ति से उनको काट-काट के खंडित कर देते हैं। वो व्याभिचारी वृत्ति वाले नकुल के सामने पनप नहीं सकते माना सन्यासी किस्म की आत्मायें हैं।

जिज्ञासु – काटकर के खाते भी हैं?

बाबा – हाँ, काटेगा तो काटेगा किसलिए? काट-काट के खायेगा।

Student: Yes. Baba, what is the meaning of *Nakul*?

Baba: *Nakul* means, those who do not belong either to this clan or that clan. What? Their *sanskars* are like mongoose. In Sanskrit mongoose is called *Nakul*. It bites and eats snakes. They bite the poisonous snakes- the lustful and vicious ones- into pieces through their nature of *Nakul*. Those with adulterous vibrations cannot prosper in front of *Nakul*. It means that they are *Sanyasi* kind of souls.

Student: Do they bite and eat them as well?

Baba: Yes, if he bites, why will he bite? He will bite (into pieces) and eat.

समयः 07.52-09.45

जिज्ञासुः बाबा, शंकर के हाथ में ये जो डमरू दिखाते हैं, उसका बजाने का मतलब क्या है?

बाबाः ड़मरू का मतलब हैं कि डमरू दोनों तरफ बजता हैं। दायीं ओर भी बजेगा और बायीं ओर भी बजेगा। माने चाहे वाममार्गीय बच्चे हो झाड़ के और चाहे दायीं मार्ग के बच्चे हो। शंकर का पार्ट ऐसा पार्ट है जो विश्वपिता का पार्ट है। देवताओं को भी पोषण देता है, वरदान देता है और असुरों को भी वरदान देता है। देवात्माओं को भी संरक्षण देता हैं और असुरों को भी संरक्षण देता है। सबको खुश करता हैं। क्या? सबको वर्सा देता हैं। इस पाँच सौ करोड़ की सृष्टि में ऐसी एक आत्मा नहीं है जिसको मुक्ति-जीवनमुक्ति का वर्सा न मिलता हो। इसलिए जैसे एक बाप के

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

चार बच्चे होते हैं। दो बच्चे आततायी असुर होते हैं और दो बच्चे दैवी स्वभाव के होते हैं। परंतु बाप सबकी पालना करता है, सबका ध्यान रखता है या जो अच्छे होते हैं उनको ही घर में रखता है और बाकी को घर में से बाहर निकाल देता हैं? सबका ध्यान रखता है। इसलिए दोनों तरफ बजानी पड़ती है। क्या? वो डमरू दोंनो तरफ बजता हैं। तुम भी खुश रहो और ये भी खुश रहे। जीओ–जीओ बच्चे जीओ। जीते रहो, मर न जाओ।

Time: 07.52-09.45

Student: Baba, what is meant by beating the *Damru* (the drum) which is shown in the hands of Shankar?

Baba: *Damru* means that it strikes [and makes sound] on both sides. It will produce sounds from the right side as well as the left side. It means that whether it is the children from the left side of the Tree or from the right path of the Tree. Shankar's part is the part of *Vishwapita* (Father of the world). He sustains, gives boons to the deities as well as the demons. He protects the deity souls as well as the demons. He makes everyone happy. What? He gives inheritance to everyone. In this world consisting of five billion [human souls], there is not a single soul who does not get the inheritance of *mukti* (liberation) and *jeevanmukti* (liberation-in-life). This is why, just as a father has four children and two are tormentor demons and two have a deity nature, but does the father sustain, [does the father] take care of everyone or does he keep only the good ones at home and banish the remaining from home? He takes care of everyone. This is why the drum makes sounds on both sides. What? That *Damru* makes sounds on both sides. You should remain happy as well as this one should remain happy. May you live children, may you live. May you live; may you not die.

समयः 09.55-10.40

जिज्ञासुः बाबा सहदेव का अर्थ क्या है? नकुल हुआ। सहदेव?

बाबाः सहदेव माना जो सदैव देवात्माओं को ही सहयोग देता हैं। क्या? थोड़ी भी असुरी वृत्ति है उनको सहयोग नहीं देता हैं। जैसे सिक्ख, सिक्खों ने सदैव भारतवासियों को सहयोग दिया या विदेशियों को सहयोग दिया?

जिज्ञासु - भारतवासियों को।

बाबा - भारत के अंदर ऐसी कौनसी कौम हैं जिसने सबसे जास्ती बलिदान दिए है? हिन्दुओं ने उतने बलिदान नहीं दिये, (जितने) सिक्खों ने दिये।

Time: 09.55-10.40

Student: Baba, what is the meaning of *Sahdev*? You told us about *Nakul*. What about *Sahdev*?

Baba: *Sahdev* means the one who always helps the deity souls. What? He does not help even if there is a little demoniac vibration [in someone]. For example, did the Sikhs always help the residents of Bharat or the foreigners?

Student: They supported the residents of Bharat.

Baba: Which community of India has sacrificed its life more than others? Hindus have not sacrificed their lives as much as the Sikhs.

समयः 10.42-12.00

जिज्ञासुः बाबा, सरस्वती नदी को मिट्टी के नीचे बहता हुआ क्यों दिखाते हैं?

बाबाः सरस्वती बीच में आती है और बीच में ही गुम हो जाती हैं। बेसिक नॉलेज में भी ऐसे ही

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

होता है और एड़वान्स नॉलेज में भी ऐसे ही होता हैं। सरस्वती को जगदम्बा कहा जाता है । जगदम्बा की छोटी सी मूर्ति बनाकर के छोटे से मंदिर में रखते हैं। जो भी महाविद्यालय या विद्यालय होते हैं उनके गेट पर छोटा सा ताक बनाते हैं और उसमें जगदम्बा की, सरस्वती की मूर्ति रखते हैं। तो बेसिक नॉलेज में भी वो बीच में आई और बीच में ही लोप हो गई। गुप्त हो गई। ऐसे ही एड़वान्स नॉलेज में भी वो सन् 76 से प्रत्यक्ष नहीं होती है। क्या? सन् 83-84 से मैदान में आती है। बीच में ही आती है और बीच में ही लोप हो जाती है। जो अव्यक्त वाणी में बोला - माँ कहाँ है? अभी घूंघट में है, माना गुप्त है।

Time: 10.42-12.00
Student: Baba, why is river *Saraswati* shown flowing underground?
Baba: River *Saraswati* comes in between and vanishes in between. It happens like this in the basic knowledge and it happens like this in the advance knowledge as well. *Saraswati* is called *Jagdamba*. People prepare a small idol of *Jagdamba* and keep it in a small temple. At the gates of the colleges and schools they build a small shed and place the idol of *Jagdamba*, of *Saraswati* in it. So, even in basic knowledge, she came in between and vanished in between. She became hidden. Similarly, in the advance knowledge she is not revealed from the year (19)76. What? She comes to the field in the year (19)83-84. She comes in between and also vanishes in between; this is mentioned in an *Avyakta Vani*: Where is the mother? She is under veil now, meaning. She is hidden.

समयः 18.00-20.28

जिज्ञासुः बाबा ब्रहमा, बाप, जगदम्बा तीन सीट्स फिक्स हुई। वो कौन?

बाबाः ब्रहमा एक, बाप दो और जगदम्बा तीन ये तीन सीट्स फिक्स हो गई हैं।

जिज्ञासु – ब्रहमा कौन हैं?

Time: 18.00-20.28
Student: Baba, three seats, i.e. the Father, Brahma, *Jagdamba* have been fixed. Who are they?
Baba: One is Brahma, the second is the Father and the third is *Jagdamba*. These three seats have been fixed.
Student: Who is Brahma?

बाबा – ब्रहमा सो विष्णु कौन है? नहीं मालूम। अरे, ब्रहमा सो विष्णु कौन है? छोटी मम्मी। तो ब्रहमा सो विष्णु हो गया। अब आया बाप, वो भी बताने की जरूरत है? पता है। अच्छा, और तीसरा, जगदम्बा। जब जगतपिता मालूम हैं। असुरों का भी बाप है और देवताओं का भी बाप है तो जगदम्बा का पता नहीं चला? सारे जगत की अम्बा है। राक्षसों की भी अम्बा है उनको भी गोद में खिलाती है। भले कितने भी बड़े असुर हैं उनको भी गोद में पालना देती है। है ही जगत की अम्बा। एक देवी ऐसी है जो असुरों को पालना नहीं देती। क्या? सिर्फ देवात्माओं को पालना देती है। उसको कहते है वैष्णवी देवी। इसलिए दो प्रकार की देवियाँ गायी हुई हैं - एक शाकाहारी और एक है मासांहारी। तो जो मासांहारी है वो सारे जगत की माँ है, राक्षसों की भी माँ है और देवताओं की भी माँ हैं। एक है भारतमाता, एक है जगतमाता। तो जगतमाता जो है वो सब धर्मों के बच्चों की पालना करने वाली हैं या थोड़े बच्चों की पालना करेगी?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासु – सब धर्म की पालना करेगी।

बाबा - बेसिक नॉलेज की वो दीदी-दादियाँ हैं वो इतनी बड़ी पालना नहीं करती हैं जितने बड़े समुदाय की पालना जगदम्बा करती है।

Baba: Who transforms from Brahma to Vishnu? Don't you know? Arey, who transforms from Brahma to Vishnu? The junior mother (*choti mummy*). So, [she is] Brahma who transforms toVishnu. Now, the Father; do you need to be told about him? You know it. Alright, and the third one is *Jagdamba*. Now when you know Jagatpita; He is the Father of the demons as well as the Father of deities. So, did you not come to know about Jagdamba? She is the mother of the entire world; she is the mother of the demons as well. She makes them play in her lap, too. They may be however much big demons; she gives sustenance also to them in her lap. She is certainly the mother of the world. There is one *devi* who does not give sustenance to the demons. What? She gives sustenance only to the deity souls. She is called *Vaishnavi Devi*. So, this is why two kinds of *devis* are famous; one is vegetarian and the other one is non-vegetarian. So, she, who is non-vegetarian, is the mother of the entire world; she is the mother of the demons as well as the mother of deities. One is Mother India and another one is the Mother of the world; so, does the World Mother give sustenance to the children of all the religions or will she give sustenance to a few children?

Student: She will give sustenance to all the religions.

Baba: The Didi, Dadis of the basic knowledge do not give sustenance to as big a community as *Jagdamba* gives sustenance to.

समयः 23.15-28.30

जिज्ञासुः ब्रह्मा सो विष्णु बनने में एक सेकण्ड टाइम लगता है।

बाबाः ब्रह्मा सो विष्णु बनने में एक सेकण्ड।

जिज्ञासु – और वो भी ब्रहमा जब सम्पूर्ण निश्चय बुद्धि बनते है तो वो निश्चय बुद्धि किस बात का?

Time: 23.15-28.30

Student: It takes one second to change from Brahma to Vishnu.

Baba: It takes one second to change from Brahma to Vishnu.

Student: And that is when Brahma develops full faith; that faith is in which aspect?

बाबा – सबसे बड़े ते बड़ा निश्चय किस बात का जो बच्चा पैदा हुआ माना जाता हैं? बाप को पहचाना माना पैदा हुआ और बाप को भूल गया माना अनिश्चय बुद्धि हुआ, मर गया। तो जो बाप को पहचान लेता है, पहचान में तीन बातें हैं - अपन को आत्मा समझ बाप को जाना। जो अपने को आत्मा ही नहीं समझेगा अर्थात् जिसकी आत्मारूपी सुई की कट उतरी ही नहीं हैं बेसिकली वो बाप को पहचान ही नहीं सकता। तो अपने आप की पहचान और अपने बाप की पहचान। ये दो बातों की पहचान जिसे हो जाती है उसे चक्र की भी पहचान हो जाती है। माना ड्रामा क्या है, उस ड्रामा के आदि-मध्य-अंत को भी जान जाता है। तो तीनों प्रकार की पहचान में मुख्य पहचान कौन सी है? जिसके ऊपर सारा मदार है। बाप की पहचान। ऐसे पहचानने वाला हो कि आदि से ले करके अंत तक भूले नहीं। अगर भूलता है, बार-बार भूलता है फिर बाप से ड़ायरेक्ट प्राप्ति करने की स्टेज में नहीं आवेगा। ऐसे भूलने वालों में नम्बरवन आत्मा कौन है?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

ब्रहमा की सोल। और है बहुत प्यारी आत्मा। क्या? पक्का भोला-भाला पक्का देवता है। ब्रहमा की सोल ही पक्का देवता है इसका प्रूफ क्या?

Baba: On developing which biggest faith is a child considered to have been born? If he recognizes the Father, then it means that he is born and if he forgets the Father, then it means that he lost faith, i.e. he died. So, the one, who recognizes the Father; there are three aspects in recognizing [the Father]: Considering oneself a soul and knowing the Father. The one, who does not consider himself a soul at all, i.e. the needle-like soul whose rust has not been removed basically cannot recognize the Father at all. So, recognizing the self and recognizing one's father. The one who recognizes these two aspects recognizes the cycle as well. It means that he comes to know what the drama is, and he also comes to know the beginning, middle and end of the drama. So, which is the main recognition, among the three [things to be] recognized, on which everything is dependant? The recognition of the Father. He should be the one who recognizes [the Father] in such a way that he should not forget [the recognition] from the beginning to the end. If he forgets, if he forgets again and again, then he will not achieve the stage of obtaining fruit directly from the Father. Who is the number one soul among such ones who forget? The soul of Brahma and he is indeed a very dear soul. What? He is completely innocent and a firm deity. What is the proof that the soul of Brahma himself is the firm deity?

जिज्ञासु – यज्ञ में सहनशक्ति का पार्ट बजाया सबसे जास्ती।

बाबा – हाँ, एक ये भी प्रूफ है। जितना सहनशक्ति का पार्ट माता के रूप में ब्रहमा ने नाम बाला किया अपना, उतना और नाम बाला किसी ने नहीं किया। सहनशक्ति का पार्ट किसी ने नहीं बजाया ।और दूसरा?

जिज्ञासु – अव्यक्त वाणी।

बाबा – हाँ, जो अव्यक्त वाणी चल रही हैं वो भी एक प्रूफ है। क्या? वो वाणी ज्ञान नहीं सुनाती है उतना। क्या सुनाती है? देवता होगा तो क्या सुनायेगा? धारणा के ज्ञान के प्वाइन्ट सुनावेगा । अगर ज्ञानी तू आत्मा बाप का बच्चा होगा तो ज्ञान की बातें ज्यादा सुनावेगा, धारणा हो या न हो।

Student: He played the part of tolerance more than anyone else in the *yagya*.

Baba: Yes, this is also a proof. The name and fame that Brahma earned in playing a part of tolerance in the form of a mother was not earned by anyone else [to that extent]. No one played a part of tolerance. And what about the second thing?

Student: *Avyakta Vani*.

Baba: Yes; the *Avyakta Vanis* that are being narrated are also a proof. What? That *vani* does not narrate so much knowledge; what does it narrate? If someone is a deity, what will he narrate? He will narrate the points of knowledge of inculcation. If he is the knowledgeable child of the Father, he will narrate more points of knowledge, whether it is put into practice or not.

जिज्ञासु – बाबा, ब्रहमा की सोल अव्यक्त वाणी गुल्जार दादी में प्रवेश कर के वाणी बोलते हैं; ना कि शिवबाप उसको इशारे देते हैं , वो जो प्वाइन्ट बोलते हैं।

बाबा – जितना तुम बच्चे मेरे को याद करते हो उतना मैं तुम्हारे साथ हूँ। साथ हूँ तो कोई साकार में साथ हूँ या बुद्धियोग से साथ हूँ?

जिज्ञासु – बुद्धियोग से।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Student: Baba, does Brahma's soul enter Gulzar Dadi and narrate the *Avyakta Vani* or does the Father Shiv give hints to him; the points that he narrates?
Baba: The more you children remember me, the more I am with you. If I am with you, am I with you in a corporeal form or through the connection of the intellect?
Student: Through the connection of the intellect.

बाबा – जो कवि होते हैं कविता करते हैं उनकी कविता मोस्टली सच्ची निकलती है। द्वापर के आदि में जो कवि थे वो ज्यादा सतोप्रधान थे या अभी कलियुग अंत के कवि ज्यादा सतोप्रधान हैं? आदि की जो की हुई कवितायें हैं, शास्त्र हैं उनमें जो सच्चाई है वो संगमयुग की सच्चाई भरी हुई है। पुराने ते पुराना पुराण है कौन सा?
जिज्ञासु- शिवपुराण ।
बाबा – नहीं।
जिज्ञासु – 18 पुराण।
बाबा – वो 18 पुराण हैं लेकिन सबसे पुराना कौनसा?
जिज्ञासु – वेद पुराण।
बाबा – वेदों को पुराण नहीं कहा जाता। महाभारत पुराण। महाभारत से ही गीता निकली है। महाभारत पहले बहुत छोटा था। सिर्फ एक लाख श्लोक थे उसमें। अभी बहुत लम्बा चौड़ा हो गया, पूरी लाईब्रेरी सिर्फ महाभारत से ही भर जाती है। और उस पुराण में जितनी सच्चाई है उतना और दूसरे पुराण में सच्चाई नहीं है।
Baba: The poets write poems; their poems mostly turn out to be true. Were the poets, who lived in the beginning of the Copper Age more *satopradhan* (consisting mainly in the quality of goodness and purity) or are the poets of the end of the Iron Age now more *satopradhan*? The truth that is contained in the poems, scriptures of the early period is the truth of the Confluence Age. Which is the oldest Puran?
Student: *Shivpuran*.
Baba: No.
Student: 18 Puranas.
Baba: There are 18 Puranas. But which is the oldest one?
Student: *Ved* Puranas.
Baba: *Vedas* are not called Puranas. *Mahabharata Puran*. Gita has emerged from Mahabharata only. Initially Mahabharata was very small. There were just one lakh *shlokas* (verses) in it. Now it has become very long and vast; the entire library becomes full with Mahabharata alone. And there is not as much truth in any Purana as much in Mahabharata.

……
Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info